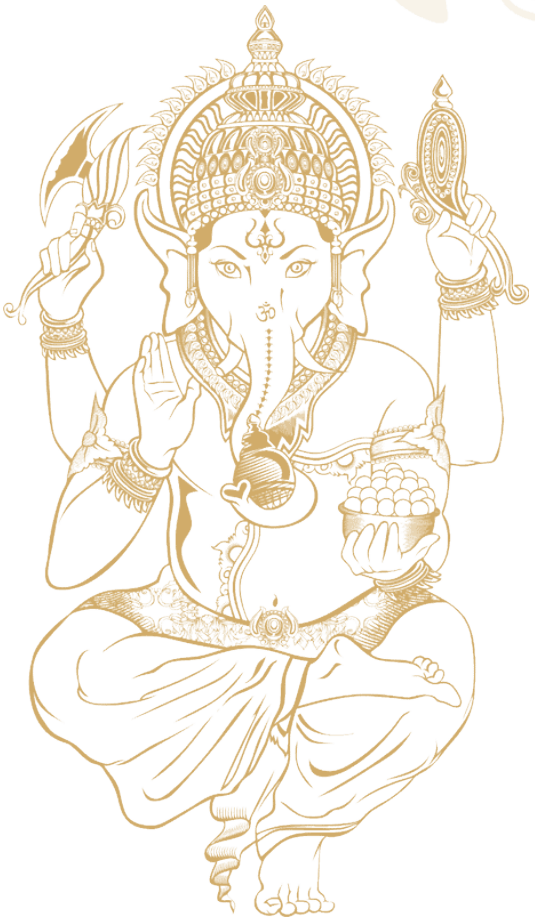

Aaditya

16 Jan 2004

08:55 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121091407

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**16/01/2004**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**20:55:00 घंटे**
इष्ट	34:09:21 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:33:52 घंटे
वेलान्तर	-00:09:30 घंटे
साम्पातिक काल	04:15:32 घंटे
सूर्योदय	07:15:15 घंटे
सूर्यास्त	17:46:20 घंटे
दिनमान	10:31:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	01:55:07 मकर
लग्न के अंश	13:10:05 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शूल
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ती-तीरथ
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	13:10:05	314:22:53	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
सूर्य			मक	01:55:07	01:01:07	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	20:38:29	14:11:01	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
मंगल			मीन	24:53:17	00:37:25	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
बुध			धनु	08:04:06	00:58:14	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
गुरु	व		सिंह	24:44:12	00:02:26	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
शुक्र			कुंभ	08:25:45	01:12:56	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि	व		मिथु	14:34:52	00:04:36	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	मित्र राशि
राहु			मेष	24:02:27	00:00:12	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु			तुला	24:02:27	00:00:12	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
हर्ष			कुंभ	06:52:18	00:02:59	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
नेप			मक	18:19:39	00:02:12	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	27:07:39	00:01:57	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			वृष	11:52:07	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:37

लग्न-चलित

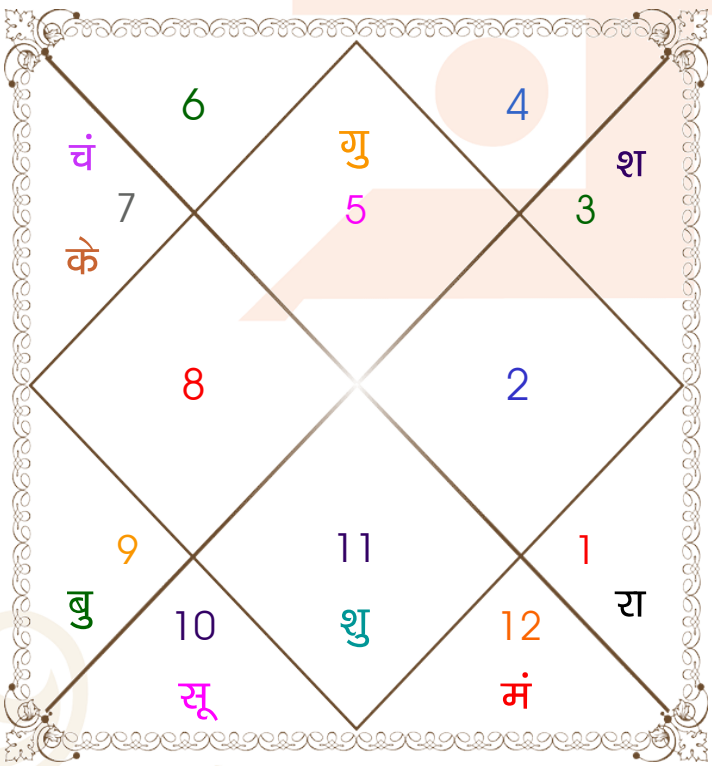

चन्द्र कुंडली

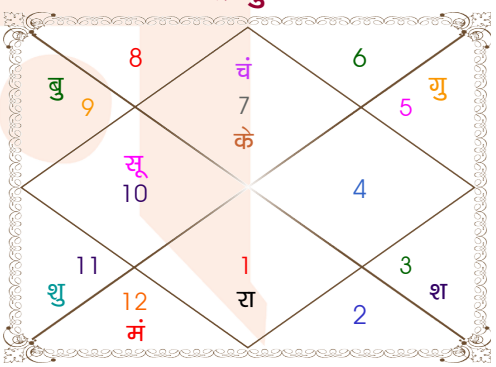

नवमांश कुंडली

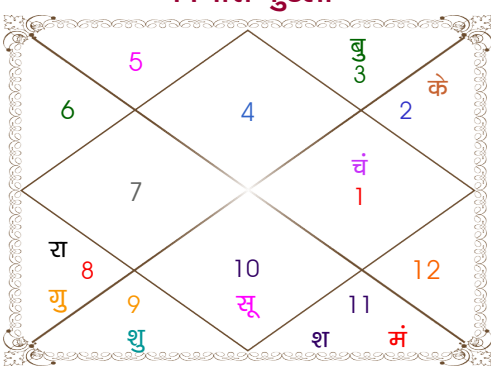

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 15 वर्ष 2 मास 23 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
16/01/2004		10/04/2019		10/04/2038		10/04/2055		10/04/2062	
10/04/2019		10/04/2038		10/04/2055		10/04/2062		10/04/2082	
गुरु	28/05/2005	शनि	13/04/2022	बुध	06/09/2040	केतु	06/09/2055	शुक्र	09/08/2065
शनि	10/12/2007	बुध	21/12/2024	केतु	03/09/2041	शुक्र	05/11/2056	सूर्य	10/08/2066
बुध	17/03/2010	केतु	30/01/2026	शुक्र	04/07/2044	सूर्य	13/03/2057	चंद्र	09/04/2068
केतु	21/02/2011	शुक्र	01/04/2029	सूर्य	10/05/2045	चंद्र	12/10/2057	मंगल	10/06/2069
शुक्र	22/10/2013	सूर्य	14/03/2030	चंद्र	10/10/2046	मंगल	11/03/2058	राहु	09/06/2072
सूर्य	10/08/2014	चंद्र	13/10/2031	मंगल	07/10/2047	राहु	29/03/2059	गुरु	08/02/2075
चंद्र	10/12/2015	मंगल	21/11/2032	राहु	25/04/2050	गुरु	04/03/2060	शनि	10/04/2078
मंगल	15/11/2016	राहु	28/09/2035	गुरु	31/07/2052	शनि	13/04/2061	बुध	08/02/2081
राहु	10/04/2019	गुरु	10/04/2038	शनि	10/04/2055	बुध	10/04/2062	केतु	10/04/2082

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
10/04/2082		09/04/2088		10/04/2098		11/04/2105		11/04/2123	
09/04/2088		10/04/2098		11/04/2105		11/04/2123		00/00/0000	
सूर्य	29/07/2082	चंद्र	08/02/2089	मंगल	06/09/2098	राहु	23/12/2107	गुरु	17/01/2124
चंद्र	27/01/2083	मंगल	09/09/2089	राहु	25/09/2099	गुरु	18/05/2110		00/00/0000
मंगल	04/06/2083	राहु	11/03/2091	गुरु	01/09/2100	शनि	23/03/2113		00/00/0000
राहु	28/04/2084	गुरु	10/07/2092	शनि	10/10/2101	बुध	11/10/2115		00/00/0000
गुरु	14/02/2085	शनि	08/02/2094	बुध	08/10/2102	केतु	28/10/2116		00/00/0000
शनि	27/01/2086	बुध	11/07/2095	केतु	06/03/2103	शुक्र	29/10/2119		00/00/0000
बुध	03/12/2086	केतु	09/02/2096	शुक्र	05/05/2104	सूर्य	22/09/2120		00/00/0000
केतु	10/04/2087	शुक्र	09/10/2097	सूर्य	10/09/2104	चंद्र	24/03/2122		00/00/0000
शुक्र	09/04/2088	सूर्य	10/04/2098	चंद्र	11/04/2105	मंगल	11/04/2123		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 15 वर्ष 2 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगे। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगे, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगे। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगे।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति के व्यक्ति है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगे। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगे। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगे। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेते हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगें। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगे।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेते हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करते हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करते हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगे। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगे तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग के भुक्त भोगी होंगे। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।